सत्यमेव जयते

झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

3 पौष, 1947 (श०)

संख्या – 580 राँची, बुधवार, 24 दिसम्बर, 2025 (ई०)

परिवहन विभाग

अधिसूचना

22 दिसम्बर, 2025

विषयः- झारखण्ड राज्य में राह-वीर (Rah- Veer) योजना के क्रियान्वयन के संबंध में।

अधिः संख्याः- परि०वि०(स०सु०)-01/2025-241--मोटर वाहन संशोधन अधिनियम, 2019 की धारा 134ए, के प्रावधानों के अनुसार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के अधिसूचना संख्या GSR-594ई, दिनांक-29.09.2020 के तहत गुड सेमेरिटन (Good Samaritan) के लिए दिशानिर्देश अधिसूचित किए गए हैं। उक्त अधिसूचना में वर्णित प्रावधानानुसार वैसे व्यक्तियों को कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाती हैं जो सड़क दुर्घटना में घायल, पीड़ित, संकटग्रस्त एवं अक्षम लोगों को समुचित आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं।

2. तदोपरांत सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आम जनता को सड़क दुर्घटना में पीड़ितों की आपातकालीन स्थिति में मदद करने वाले राह-वीर को जिसमें उसे तत्काल सहायता प्रदान की गई हो तथा दुर्घटना के (Golden hour) यथा परिभाषित दुर्घटना के पश्चात् प्रथम एक घंटा की अवधि से है, जिसके दौरान तत्कालिक उपचार से घायल व्यक्ति की जीवन रक्षा की सर्वाधिक संभावना रहती है, उसे अस्पताल या ट्रॉमा केयर सेंटर में पहुंचाकर चिकित्सा उपचार प्रदान किया गया हो ऐसे व्यक्ति को राह-वीर योजना के तहत् "नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र के माध्यम से" सड़क दुर्घटना पीड़ितों की आपातकालीन स्थिति में मदद करने और उनका मनोबल बढ़ाने तथा दूसरों को भी सड़क दुर्घटना पीड़ितों की जान बचाने के लिए प्रेरित किये जाने से संबंधित पत्रांक-RT-25035/27/2021-RS दिनांक-21.04.2025 द्वारा दिशानिर्देश जारी किये गये है।

3. **<u>योजना का नाम:-</u>** इस योजना को "राह-वीर" कहा जाएगा।

4. **योजना की संचालन अवधि:-** यह योजना 31 मार्च, 2026 तक चालू रहेगी।

5. **योजना का उद्देश्य-** आपातकालीन स्थिति में सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने के लिए आम जनता को प्रेरित करना, निर्दोष लोगों की जान बचाने के लिए दूसरों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना।

6. **पात्रता:-** कोई भी व्यक्ति जिसने मोटर वाहन से जुड़ी किसी गंभीर सड़क दुर्घटना के पीड़ित को दुर्घटना के गोल्डन ऑवर (Golden hour यथा परिभाषित दुर्घटना के पश्चात् प्रथम एक घंटा की अवधि के भीतर) में तत्काल सहायता कर चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए अस्पताल पहुंचाकर जान बचाई हो।

6.1 **गोल्डन ऑवर की परिभाषा:-** मोटर वाहन अधिनियम की धारा 2(12ए) के अनुसार "गोल्डन ऑवर" का अर्थ है किसी दर्दनाक चोट के बाद एक घंटे तक चलने वाली अवधि जिसके दौरान तत्काल चिकित्सा देखभाल प्रदान करके मृत्यु को रोकने की सबसे अधिक संभावना होती है।

6.2 **गंभीर दुर्घटना की परिभाषा:-** मोटर वाहन से जुड़ी कोई भी सड़क दुर्घटना जिसके कारण पीड़ित को उपचार के दौरान निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति उत्पन्न हो और अस्पताल द्वारा मृत्यु/ गंभीरता का प्रमाण पत्र दिया जाए:-

क. बड़ी सर्जरी शामिल हो

ख. न्यूनतम तीन दिन अस्पताल में भर्ती होने

ग. मस्तिष्क की चोटें

घ. रीढ़ की हड्डी की चोटें

ई. उपचार के दौरान पीड़ित की मृत्यु

6.2.1 **वित्तीय सहायता (पुरस्कार के रूप में):-**

प्रत्येक राह-वीर (नेक व्यक्ति) के लिए पुरस्कार की राशि 25,000/- (पच्चीस हजार) रुपये प्रति दुर्घटना होगी। उक्त पुरस्कार की राशि प्रदान किये जाने हेतु निम्नलिखित प्रावधान वर्णित है:-

क. यदि एक राह-वीर (गुड सेमेरिटन) मोटर वाहन से जुड़ी एक गंभीर दुर्घटना के एक या एक से अधिक पीड़ितों की जान बचाता है, तो पुरस्कार की राशि 25,000/- (पच्चीस हजार) रुपये अधिकतम होगी।

ख. यदि एक से अधिक राह-वीर (गुड सेमेरिटन) मोटर वाहन से जुड़ी गंभीर दुर्घटना के एक पीड़ित की जान बचाते हैं, तो पुरस्कार की राशि यानी 25,000/- (पच्चीस हजार)रुपये उनके बीच समान रूप से विभाजित की जाएगी।

ग. यदि एक से अधिक राह-वीर (गुड सेमेरिटन) मोटर वाहन से जुड़ी किसी गंभीर दुर्घटना में एक से अधिक पीड़ितों की जान बचाते हैं, तो पुरस्कार की राशि प्रति पीड़ित 25,000 (पच्चीस हजार) रुपये होगी, जो अधिकतम 25,000 (पच्चीस हजार) रुपये प्रति राह-वीर (गुड सेमेरिटन) होगी।

6.3 प्रत्येक नकद पुरस्कार के साथ "प्रशस्ति पत्र" दिया जाएगा।

6.4 **वित्तीय सहायता (पुरस्कार के रूप में):-** पुरस्कार के रूप में राशि प्रदान किये जाने के अनुसार प्रत्येक मामले में पुरस्कार के अतिरिक्त, (गुड सेमेरिटन) सबसे योग्य राह-वीर, जिन्हें पूरे वर्ष के दौरान सम्मानित किए गए सभी राह-वीरो में से चुना जाएगा।

7. **चयन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया:-**

7.1 यदि घटना की सूचना राह-वीर (गुड सेमेरिटन) द्वारा सबसे पहले पुलिस को दी जाती है, तो डॉक्टर से विवरण सत्यापित करने के बाद पुलिस ऐसे राह-वीर (गुड सेमेरिटन) को आधिकारिक लेटर पैड पर एकप्राप्ति **(Annexure-A)** देगी , जिसमें राह-वीर (गुड सेमेरिटन) का नाम, उसका मोबाइल नंबर और पता, घटना का स्थान, दिनांक और समय और राह-वीर (गुड सेमेरिटन) ने पीड़ित की जान बचाने में किस तरह मदद की है आदि का उल्लेख होगा। उक्त प्राप्ति **(Annexure-A)** की प्रति संबंधित पुलिस स्टेशन द्वारा उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तर पर गठित मूल्यांकन समिति को भेजी जाएगी, जिसकी एक प्रति राह-वीरों/ गुड सेमेरिटन को भी भेजी जाएगी। स्थानीय पुलिस द्वारा राह-वीर (गुड सेमेरिटन) को दी जाने वाली प्राप्ति के लिए एक मानक और एकसमान प्रारूप सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा "**Annexure-A**" में उपलबध कराया गया है।

7.2 यदि राह-वीर (गुड सेमेरिटन) पीड़ित को सीधे अस्पताल ले जाता है, तो संबंधित अस्पताल संबंधित पुलिस स्टेशन को सभी विवरणी उपलब्ध करायी जायेगी। पुलिस ऐसे राह-वीर (गुड सेमेरिटन) को आधिकारिक लेटर पैड पर प्राप्ति देगी, जिसमें राह-वीर (गुड सेमेरिटन) का नाम, उसका मोबाइल नंबर और पता, घटना का स्थान, तारीख और समय, राह-वीर (गुड सेमेरिटन) ने पीड़ित की जान बचाने में किस तरह मदद की है, आदि का उल्लेख होगा। प्राप्ति की प्रति उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तर पर गठित मूल्यांकन समिति को भेजी जाएगी, जिसकी एक प्रति राह-वीरों/गुड सेमेरिटन को भी भेजी जायेगी।

7.3 सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार का पत्रांक- RT-25035/27/2021-RS दिनांक- 21.04.2025 द्वारा उक्त योजना के सुलभ संचालन हेतु **दिशा निर्देश (Guidelines)** जारी किए गए हैं जिसकी कंडिका 7.3 में निहित प्रावधान के अनुपालनार्थ राज्य स्तर पर एक **राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति** (State Level Monitoring Committee) तथा प्रत्येक जिले में एक **जिला स्तरीय मूल्यांकन समिति** (District Level Appraisal Committee) का गठन निम्नवत् किया जाता है:-

राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति (**State Level Monitoring Committee**):-

(i) अपर मुख्य सचिव/ प्रधान सचिव/ सचिव, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग -अध्यक्ष
(ii) प्रबंध निदेशक, NHM निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य विभाग -सदस्य
(iii) अपर पुलिस महानिदेशक (यातायात) -सदस्य
(iv) परिवहन आयुक्त - सदस्य-सचिव

यह समिति इस योजना के उचित क्रियान्वयन के अनुश्रवण हेतु वर्ष के प्रत्येक त्रैमास में बैठक करेगी।

जिला स्तरीय मूल्यांकन समिति (**District Level Appraisal Committee**):-

(i) उपायुक्त -अध्यक्ष
(ii) पुलिस अधीक्षक -सदस्य
(iii) असैनिक शल्य चिकित्सा पदाधिकारी-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी -सदस्य
(iv) जिला परिवहन पदाधिकारी -सदस्य-सचिव

7.4 पुलिस स्टेशन/ अस्पताल से सूचना प्राप्त होने पर, जिला स्तरीय मूल्यांकन समिति मासिक आधार पर प्रस्तावों की समीक्षा और अनुमोदन करेगी। यह सूची संबंधित जिला परिवहन आयुक्त को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा। चयनित राह-वीर (नेक व्यक्ति) के लिए भुगतान परिवहन आयुक्त द्वारा सीधे उनके बैंक खाते में **PFMS** के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। इसके लिए प्रतिपूर्ति, **MoRTH** द्वारा परिवहन विभाग को मासिक आधार पर प्रदान की जाएगी।

7.5 राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति प्रत्येक वर्ष सितंबर माह तक या **MoRTH** द्वारा निर्धारित की गई तिथि तक, आगे के विचार के लिए वार्षिक आधार पर राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों के लिए तीन सबसे योग्य प्रस्ताव नामित करेगी।

7.6 अपर सचिव/ संयुक्त सचिव (सड़क सुरक्षा) की अध्यक्षता में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की मूल्यांकन समिति जिसमें निदेशक/ उप सचिव (सड़क सुरक्षा), निदेशक/ उप सचिव (परिवहन) और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के उप वित्तीय सलाहकार शामिल होंगे। मूल्यांकन समिति प्रत्येक राज्य से प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करेगी और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ दस राह-वीर (गुड सेमेरिटन) का चयन करेगी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान दिल्ली में उन्हें प्रमाण पत्र और ट्रॉफी के साथ 1,00,000/- रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

7.7 इन दिशा-निर्देशों का कोई भी प्रावधान सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 29.09.2020 को गुड सेमेरिटन के लिए जारी अधिसूचना के लिए बाधा नहीं बनेगा।

7.8 राह-वीर (गुड सेमेरिटन) द्वारा स्वेच्छा से प्रदान की गई जानकारी का उपयोग केवल योजना के तहत पुरस्कार के लिए प्रस्ताव के प्रसंस्करण के लिए किया जाएगा, किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं, साथ ही, राह-वीर (गुड सेमेरिटन), जो अपना विवरण प्रकट करने के इच्छुक नहीं हैं, उन्हें योजना के तहत सम्मानित नहीं किया जाएगा।

7.9 एक व्यक्तिगत राह-वीर (गुड सेमेरिटन) को वर्ष में अधिकतम 5 बार सम्मानित किया जा सकता है।

8 **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा उक्त योजना के तहत् देय वित्तीय सहायता:-**

8.1 सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, परिवहन आयुक्त कार्यालय को प्रारंभिक अनुदान के रूप में 25.00 लाख रुपये प्रदान करेगा। योजना के तहत पहले से जारी प्रारंभिक अनुदान को दिए जाने वाले प्रारंभिक अनुदान की गणना करते समय समायोजित किया जाएगा। परिवहन विभाग द्वारा राह-वीरों (गुड सेमेरिटन) को भुगतान करने के लिए परिवहन आयुक्त द्वारा इस योजना के लिए एक अलग बैंक खाता खोला जाएगा।

8.2 उपायुक्त जो जिला सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष भी हैं, मूल्यांकन समिति की सिफारिशों पर राह-वीर (गुड सेमेरिटन) को पुरस्कार योजना के लाभार्थी का विवरणी, आधार संख्या या बैंक खाता संख्या के साथ **e-DAR** प्लेटफॉर्म पर अपलोड करेंगे और परिवहन आयुक्त, परिवहन विभाग द्वारा लाभार्थी का विवरण अपलोड होने के 7 दिनों के भीतर **PFMS** के माध्यम से सीधे लाभार्थी पुरस्कार विजेता को उनके बैंक खाते में ऑनलाइन स्थानांतरित किया जाएगा।

8.3 जिन राह-वीरों (गुड सेमेरिटन) को सम्मानित किया गया है, उनका विवरण परिवहन विभाग के संबंधित अधिकारियों द्वारा **MoRTH** द्वारा विकसित **e-DAR** पोर्टल में दर्ज किया जाएगा और वे यह भी सुनिश्चित करेंगे कि आवश्यक प्रतिपूर्ति के लिए इस मंत्रालय को अगली किस्त की मांग प्रस्तुत करने से पहले विवरण पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

8.4 मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019 की धारा 134ए के तहत प्रावधानित और अधिसूचना संख्या जीएसआर 594ई, दिनांक 29 सितंबर, 2020 के तहत अधिसूचित गुड सेमेरिटन के नियमों के अनुसार, किसी भी राह-वीर (गुड सेमेरिटन) पर उनकी सहमति के बिना कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। उपर्युक्त नियमों के तहत गुड सेमेरिटन/ राह-वीर को प्रदान की गई सुरक्षा के किसी भी उल्लंघन के मामले में, राह-वीर/गुड सेमेरिटन संबंधित उपायुक्त की अध्यक्षता में राज्य द्वारा स्थापित की जाने वाली शिकायत निवारण समिति से संपर्क करेंगे।

9. प्रस्ताव पर माननीय मंत्री, परिवहन विभाग, झारखण्ड का अनुमोदन प्राप्त है।

10. यह राह-वीर (Rah- Veer) योजना अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से लागू होगा ।

अनुलग्नकः सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार
का पत्रांक- RT-25035/27/2021-RS, दिनांक- 21.04.2025

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

विप्रा भाल,
सरकार के सचिव।
परिवहन विभाग।

RT-25035/27 /2021-RS
Ministry of Road Transport and Highways
Government of India
(Road Safety Cell)

Date: 21st April, 2025

Subject: Scheme Guidelines on Rah-Veer (erstwhile Scheme for grant of Award to the Good Samaritan who has saved life of a victim of a fatal accident involving a motor vehicle by administering immediate assistance and rushing to Hospitall Trauma Care Centre within the Golden Hour of the accident to provide medical treatment.)

1. Background:

1.1 Road safety is a complex issue of concern, considering its magnitudeand gravity and the negative impacts on the economy, public health and the general welfare of the people, particularly those with low income. Although, various road safety improvement programs are being implemented, these have not had the required impact, and the number of road accidents and fatalities continue to rise. With motorization witnessing a 10% compound growth every year and expanding road network, travel risks and traffic exposure grow at a much faster rate. Today, road traffic injuries are one of the leading causes of deaths, disabilitiesand hospitalizations,with severe socio-economiccosts across the world.

1.2 The main thrust of accident prevention and control across the world has been on 4 E's, vis. (i) Education, (ii) Enforcement, (iii) Engineering and (iv) Environment and Emergencycare of road accident victims. The Government of India has been focusing on all these four approaches in its policies and programmes.

1.3. As per provisions under Section 134A of the Motor Vehicle Amendment Act 2019, Rules for Good Samaritan have been notified by the Ministry of Road Transport and Highwaysvide Notification No. GSR 594E dated 29th September, 2020. Basically the rules provide legal protection to the people who give reasonable assistance those who are, or who they believe to be, injured, ill, in peril, or otherwise incapacitated.

1.4 Now, it has been felt that there is a need to motivate the general public, "through cash awards and certificates", to help the road accident victims in emergency situation and to boost their moral, and also to inspire and motivate others to save lives of the road accident victims.

2. Name of the Scheme:
The scheme shall be called as the "Ran-veer".

3. Period of Operation of the Scheme:
The scheme will remain operational till the completion of the 15th Financial Cycle, i.e. till 31st March, 2026.

4. Objective of the scheme:
To motivate the general public to help the road accident victims in emergency situation, inspire and motivate others to save innocent lives.

5. Eligibility:

Any individual who has saved life of a victim of a serious accident involving a motor vehicle by administering immediate assistance and rushing to Hospital within the Golden Hour of the accident to provide medical treatment."
5.1 Definition of Golden Hour:
As per Motor Vehicle Act section 2(12A) "golden hour" means the time period lasting one hour following a traumatic injury during which there is highest likelihood of preventing death
by providing prompt medical care
5.2 Definition of Serious Accident:
Any Road accident involving motor vehicle leading to any of the following conditions during treatment to victim and certificate of fatality/seriousness by Hospital:
a. Major surgery involved
b. Minimum three day of hospitalization
c. Brain injuries
d. Spinal cord injuries
e. Death of the victim during treatment

6. Financial Assistance (in the form of Award):
6.1 The amount of award for each Rah-Veer (Good Samaritan) would be Rs. 25,000/- per incident, subject to the following provisions:
a. If one Rah-Veer (Good Samaritan) saves life of one or more victims of a single serious accident involving a motor vehicle, amount of award will be Rs. 25,000/- only.
b. If more than one Rah-Veer (Good Samaritan) save life of one victim of a serious accident involving a motor vehicle, amount of award i.e. Rs. 25,000/- will be divided equally a~ong them.
c. If more than one Rah-Veer (Good Samaritan) saves life of more than one victims of a serious accident involving a motor vehicle, amount of award will be Rs. *25,0001-* per victim saved subject to maximum Rs. *25,0001-* per Good Samaritan.
6.2 Every cash award would be accompanied with a "Certification of Appreciation".
6.3 Besides award in each case as per para 6.1, there will be 10 National Level Awards for the most worthy Rah-Veer *1* Good Samaritans (who will be selected from all those who have been awarded during the whole year) and they would be given Award of Rs. *1,00,0001-*
each.

7. Procedure to be followed for Selection:
7.1 In case the incident is informed to the police at the first hand by the Rah-Veer (Good Samaritan), after verifying details from Doctor the police shall provide an Acknowledgment to such Rah-Veer (Good Samaritan), on official letter pad, mentioning the name of the RahVeer
(Good Samaritan), his mobile number and address, place, date and time of incident and how the Rah-Veer (Good Samaritan) has helped in saving the life of the victim etc. The
copy of the Acknowledgement would be sent to the Appraisal Committee formed at District Level under the Chairmanship of District Magistrate by the concerned police station, with a copy marked to the Rah-Veer(s) *1* Good Samaritan(s). A standard and uniform

format for the acknowledgement to be provided to the Rah-Veer (Good Samaritan) by the local police should be used throughout India as per Annexure - A.

7.2 In case the Rah-Veer (Good Samaritan) takes the victim to the hospital directly, the concerned hospital shall provide all the details to concerned police station. The police shall provide an Acknowledgment to such Good Samaritan, on official letter pad, mentioning the name of the Rah-Veer (Good Samaritan), his mobile number and address, place, date and time of incident, how the Rah-Veer (Good Samaritan) has helped in saving the life of the victim, etc. The copy of the Acknowledgement would be sent to the Appraisal Committee formed at District Level under the Chairmanship of District Magistrate with a copy marked to the Rah-Veers *1* Good Samaritan(s).

7.3 The Appraisal Committee at the District Level would comprise District Magistrate, SSP, CMOH, RTO (Transport Department) of the concerned District.

A State Level Monitoring Committee under Chairmanship of Principal Secretary (Home) and having Commissioner (Health) & ADGP (Traffic & RS) as members and Commissioner (Transport) as member Secretary shall do Quarterly Meetings to monitor the proper implementation of scheme.

7.4 On receipt of communication from the Police Station/Hospital, District Level Appraisal Committee shall review and approve the proposals on a monthly basis. This list would be

------ -

sent to the Transport Commissioner of the concerned State *I* UT Transport Department for further necessary action. The payment for selected Rah-Veer (Good Samaritan) would be made online through PFMS in their Bank Account directly by the *010* Transport Commissioner, Transport Department of the State/UT. Reimbursement, for the same will be provided by MoRTH to the Statel UT Transport Department on monthly basis.

7.5 By 30th September or date decided by MoRTH every year, the State Level Monitoring Committee of each *State/UT* will nominate three most worthy proposal for national level awards on yearly basis to this Ministry for further consideration.

7.6 An Appraisal Committee of MoRTH headed by *AS/JS* (Road Safety) and also comprising of Director/Deputy Secretary (Road safety), Director *I* Deputy Secretary (Transport) and Dy. Financial Advisor *I* MoRTH shall review the proposals received from each States *I* UTs and select the best ten Rah-Veers (Good Samaritans) of the year. They will be awarded with Rs. *1,00,0001-* each along with a Certificate and trophy during NRSM in Delhi.

7.7 Any provision of these guidelines would not come as a barrier for the Notification issued by this Ministry on 29.09.2020 for the Good Samaritan (copy enclosed).

7.8 The information provided by the Rah-Veer (Good Samaritan) voluntarily would be used exclusively for the processing of proposal for award under the scheme and not for any other purpose. Also, Rah-Veer (Good Samaritan), who are not willing to disclose their details, would not be awarded under the scheme.

7.9 An individual Rah-Veer (Good Samaritan) can be awarded maximum 5 times in a year.

7.10 State Government will publicize this scheme through various means like print & social media, etc.

8. As financial implication has been worked out based upon various assumptions.

Eligibility Criteria, Definition of Serious accident and financial implications may be reviewed

by Ministry after two years.

9. Release of financial assistance by MoRTH:

9.1 MoRTH will provide Rs. 25.00 Lakhs as initial grant to the Office of Transport Commissioner, The initial grant already released to a *State/UT* under the scheme will be adjusted while calculating the initial grant to that State/UT. Department of Transport of the State/UT for making payment to the Rah-Veers (Good Samaritans). A separate bank account shall be maintained for this scheme by the % Transport Commissioner.

9.2 The Deputy Commissioner / Collector / District Magistrate who is also the Chairperson of the District Road Safety Committee, shall, on the recommendations of the Appraisal Committee, upload the details of the beneficiary of the Rah-Veer award scheme along with the Aadhar Number or bank Account Number on the e-DAR platform and the Award shall be disbursed by the % Transport Commissioner, Department of Transport of the State/UT through PFMS directly to the beneficiary awardee online in their Bank Account within 7 days of the uploading of beneficiary details. The amount would be reimbursed by the MoRTH on demand from the % Transport Commissioner, Department of Transport of the State/UT with UC of the earlier release(s) and details of Rah-Veers (Good Samaritans) awarded against that release(s) to the Ministry.

9.3 The details of the Rah-Veer (Good Samaritan) who have been awarded shall be entered in the eDAR portal developed by MoRTH by the concerned Officials of the State/UT Transport Department and they will also ensure that the details have been uploaded on the portal before submitting of demand for next instalment to this Ministry for necessary reimbursement.

9.4 As provisioned under Section 134A of the Motor Vehicles (Amendment) Act, 2019 and Rules for Good Samaritan notified vide Notification No. GSR 594E dated 29th September, 2020, no Rah-Veer (Good Samaritan) would be subjected to any legal proceedings without their consent. In case of any breach of protection provided to Good Samaritans / Rah-Veer under the aforementioned rules, the Rah-Veer / Good Samaritan would approach the Grievance Redressal Committee to be established by the States / UTs under chairmanship of concerned Deputy Commissioner / Collector / District Magistrate.

10. The revised Scheme would be effective w.e.f 21st April, 2025.

Annexure-A

Form for Acknowledgement for Rah-Veer / Good Samaritan Award
(To be given by the Police Station)

Acknowledgement for the act performed by **Rah-Veer /** Good Samaritan under the "**Rah-Veer**" Scheme of Ministry of Road Transport and Highways, Govt of India	
PERSONAL DETAILS	
Name of the **Rah-Veer /** Good Samaritan (Pls use separate sheet for each Good Samaritan, in case it is more than one individual)	
Mobile Number	
Address	
Place of Accident (with detailed address)	
Date & Time of Accident	
Bank Account Details	
Bank Name (with address):	Account Number:
Account Holder Name:	IFSC Code:
CERTIFICATION BY POLICE DEPARTMENT	
Name of the Police Station (with address & Tel No.):	
Name and Mobile number of the In-charge of the concerned police station	
Description of the Incident (explain in brief the act performed by **Rah-Veer /** Good Samaritan that has helped in saving life of the victim) and to confirm that the aid was provided by the **Rah-Veer /** Good Samaritan within the stipulated time of Golden Hour	
CERTIFICATION BY HOSPITAL	
Name of the Doctor who attended first (with the Name and address of the Hospital)	
Name and Telephone number of the Hospital Head (MD/Director/Superintend, etc.)	
Brief Reason as to why it has been treated as serious accident and to confirm that the aid was provided by the good Samaritan within the stipulated time of Golden Hour	
Signature of Authorized Official (with official seal)	

Date:
Place:

(Signature of the Authorized signatory)
[Name and Designation of the Authorized Signatory]

****

अधीक्षक, झारखण्ड राजकीय मुद्रणालय, राँची द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
झारखण्ड गजट (असाधारण) 580 – 50